भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *117

जिसका उत्तर 27 जुलाई, 2023 को दिया जाना है।

.....

परंपरागत जल निकायों का कायाकल्प

***117. श्री रमेश बिन्द:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा जिला-वार कुल कितने परम्परागत जल निकायों का कायाकल्प किया गया है;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में परम्परागत जल निकायों के पुनरुद्धार के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान कोई धनराशि आबंटित की है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

"परंपरागत जल निकायों का कायाकल्प" के संबंध में दिनांक 27.07.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *117 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): जल, राज्य का विषय होने के कारण, जल निकायों के संरक्षण संबंधी कार्य उत्तर प्रदेश सहित संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं। अलग-अलग वर्षों में अपने-अपने राज्य के विभिन्न जिलों में शुरू किए गए इस तरह के कार्यों की संख्या से संबंधित ब्यौरे राज्य सरकारों द्वारा स्वयं भी रखे जाते हैं। हालांकि, भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों के प्रयासों को पूरा करने के लिए किए गए कुछ उपाय नीचे दिए गए हैं।

1. भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई)-हर खेत को पानी (एचकेकेपी) के अंतर्गत जल निकायों की मरम्मत, नवीकरण और पुनरुद्धार (जल निकायों की आरआरआर) घटक के तहत राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। हालांकि, पिछले तीन वर्षों के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार से इस स्कीम के अंतर्गत जल निकाय के पुनरूद्धार हेतु वित्तपोषण का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

2. भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा जल शक्ति अभियान के अंतर्गत केन्दित उपायों में, अन्य बातों के साथ-साथ, पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का पुनरूद्धार, इनकी गणना, जियो-टैगिंग और सभी जल निकायों की सूची बनाना, टैंकों/झीलों के अतिक्रमणों को हटाना और टैंकों से गाद निकालने का कार्य शामिल हैं। जल शक्ति अभियान के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुनरूद्धार किए गए पारंपरिक जल निकायों की संख्या **अनुलग्नक** में दी गई है।

3. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत भूमिगत डाइक्स, मिट्टी के बांधों, स्टॉप डैमों, चेक डैमों और सार्वजनिक भवनों में रूफ टॉप वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण जिससे भूजल संवर्धन और सुधार के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जल संरक्षण और जल संचयन संरचनाओं से संबंधित सार्वजनिक कार्यों के प्रावधान हैं।

(ख) और (ग): चालू वित्त वर्ष के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार को मनरेगा के लिए 5,040 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है, जिसका एक बड़ा हिस्सा जल शक्ति अभियान, अमृत सरोवर, मनरेगा आदि के अंतर्गत पारंपरिक जल निकायों के पुनरुद्धार में उपयोग किया जाना होता है।

***

अनुलग्नक

"परंपरागत जल निकायों का कायाकल्प" के संबंध में दिनांक 27.07.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *117 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

उत्तर प्रदेश राज्य में पुनरूद्धार किए गए जल निकायों की संख्या

क्र. सं.	जिला	जल शक्ति अभियान के तहत 22.03.2021 से 25.07.2023 तक जल निकायों का पूर्ण पुनरूद्धार
1	आगरा	422
2	अलीगढ	574
3	अंबेडकर नगर	224
4	अमेठी	389
5	अमरोहा	1,005
6	औरैया	676
7	आजमगढ़	400
8	बागपत	1,705
9	बहराईच	10
10	बलिया	549
11	बलरामपुर	807
12	बांदा	423
13	बाराबंकी	411
14	बरेली	2,048
15	बस्ती	558
16	भदोही	1937
17	बिजनौर	141
18	बदायूं	980
19	बुलन्दशहर	299
20	चंदौली	325
21	चित्रकूट	436
22	देवरिया	314
23	एटा	227
24	इटावा	338
25	फैजाबाद	2,444
26	फर्रुखाबाद	292
27	फ़तेहपुर	1,505
28	फिरोजाबाद	275
29	गौतम बुद्ध नगर	5
30	गाज़ियाबाद	32
31	गाजीपुर	508
32	गोंडा	656
33	गोरखपुर	1006
34	हमीरपुर	493
35	हापुड़	106

क्र. सं.	जिला	जल शक्ति अभियान के तहत 22.03.2021 से 25.07.2023 तक जल निकायों का पूर्ण पुनरूद्धार
36	हरदोई	1,646
37	हाथरस	73
38	जालौन	462
39	जौनपुर	649
40	झांसी	445
41	कन्नौज	168
42	कानपुर देहात	360
43	कानपुर नगर	434
44	कासगंज	943
45	कौशांबी	224
46	खेरी	1,777
47	कुशीनगर	476
48	ललितपुर	1,659
49	लखनऊ	264
50	महोबा	1,001
51	महराजगंज	416
52	मैनपुरी	891
53	मथुरा	419
54	मऊ	1,035
55	मेरठ	351
56	मिर्जापुर	403
57	मुरादाबाद	880
58	मुजफ्फरनगर	262
59	पीलीभीत	2,381
60	प्रतापगढ़	2,641
61	प्रयागराज	776
62	रायबरेली	2,003
63	रामपुर	1,538
64	सहारनपुर	680
65	संभल	462
66	संत कबीर नगर	799
67	शाहजहांपुर	573
68	शामली	111
69	श्रावस्ती	256
70	सिद्धार्थ नगर	928
71	सीतापुर	1,146
72	सोनभद्र	778
73	सुल्तानपुर	543
74	उन्नाव	860
75	वाराणसी	209
	कुल	**54,442**

*****